



मोहन घरण माझी ने छतीसगढ़ मुख्यमंत्री के साथ महानदी जल विवाद समेत कई मुद्दों पर चर्चा



भूवनेश्वर (आजाद सिपाही)। छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आजे ओडिशा दोरे के दौरान लोक संवाद भवन में मुख्यमंत्री मोहन

घरण माझी से सौजन्य मुलाकात की। इस मुकें पर दोनों के बीच महानदी जल विवाद समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री माझी ने विवाद को सीहार्पूर्ण बतावरण में सोहादूरूप तरीके से हल करने का सुझाव दिया। यह कहते हुए कि दोनों राज्य पड़ोसी राज्य हैं और दोनों राज्यों के बीच भाराहृ और भावानामक संबंध भी है। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि दोनों राज्यों के लोगों के हित में इसे तुरंत हल करने की आवश्यकता है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर गुरुत्व देकर इसके शांतिपूर्ण समाधान का रसाना खोजने पर सहमत हुए हैं।

एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय लखनऊ में विश्व जल दिवस 2025 मनाया गया



लखनऊ (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय, लखनऊ, 22 मार्च 2025 को विश्व जल दिवस मनाया, जिसमें

जल संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा दिया गया। इस वर्ष की थीम दिननद संरक्षण थी, जिसमें मीठे पानी की आपूर्ति और जलवायु स्थिरता बनाए रखने में जलसियरों की भूमिका पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसका नवाच एनएस राज, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर क्षेत्र) और अमरीक सिंह भगल, जीएम (एएस) ने किया। इस अवसर पर केके होता, सीडीओ, व्यूजेल, समीरन सिंहा रे, क्षेत्रीय प्रमुख (मानव संसाधन), विष्णु अधिकारीयों की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कदम उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विपुल श्रीवास्तव, एजीएम (पर्यावरण प्रबन्धन) ने इस दिवस के महत्व को रखाकित किया।

विद्युत क्षेत्र के विकास की केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने समीक्षा की

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शरीरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने रेविवार को भूवनेश्वर का दौरा किया। उन्होंने ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारीयों के साथ राज्य के विद्युत क्षेत्र के विकास पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। चर्चा में राखे (फलाई ऐश) का उपयोग, शमता वृद्धि, ट्रांसमिशन अवसर्चना और विद्युत आवंटन सहित प्रमुख मुद्दे थे।

पलाई ऐश उपयोग लक्ष्यों को प्राप्त करने के मुद्दे पर मनोहर लाल ने आवासन दिया गया। इस वर्ष की थीम दिननद संरक्षण थी, जिसमें मीठे पानी की आपूर्ति और जलवायु स्थिरता बनाए रखने में जलसियरों की भूमिका पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसका नवाच एनएस राज, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर क्षेत्र) और अमरीक सिंह भगल, जीएम (एएस) ने किया। इस अवसर पर केके होता, सीडीओ, व्यूजेल, समीरन सिंहा रे, क्षेत्रीय प्रमुख (मानव संसाधन), विष्णु अधिकारीयों की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कदम उठाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विपुल श्रीवास्तव, एजीएम (पर्यावरण प्रबन्धन) ने इस दिवस के महत्व को रखाकित किया।

बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए राज्य सरकार ने अपनी अंतर-राज्यीय योजना रणनीति और भूवनेश्वर तथा कट्टक जैसे शहरों में आपूर्ति



बताया कि ओडिशा में वर्तमान में 20 गोवावाट की कोषता आधारित ताप विद्युत क्षमता है तथा 10 गोवावाट की अतिरिक्त क्षमता पाइपलाइन में है, जिसके अगले 5-6 वर्षों में शुरू होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने ओडिशा में और अधिक पिट-हेड ताप विद्युत संवर्तनों के प्रयोग द्वारा विद्युत क्षमता को प्रोत्साहित किया, जिसमें अन्य राज्यों की विद्युत उत्पादन कंपनियों के साथ संयुक्त उद्योग भी शामिल हैं।

ट्रांसमिशन के मार्चे पर,

को मजबूत करने में हाल की प्रतिक्रिया को साझा किया। ओडिशा

पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओपीटीसीएल) द्वारा राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू)

मुद्दों को हल करने के लिए उठाये गये कदमों से भी मंत्री को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा विद्युत एक अंतरराज्यीय एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के अनुरूप पर्याप्त बिजली में एक महत्वपूर्ण मील का पथर है। प्रतिनिधिमंडल ने टिकट और विस के संस्थापक डॉ अन्युता सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग एक घंटे तक चला, जिसके दौरान उन्होंने ओडिशा की शिक्षा, कला और संस्कृति के साथ-साथ कार्यक्रम के बाद 31 मार्च के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लिया जायेगा। उन्होंने एक विशेष बैठक के दौरान उन्होंने एक घंटा के लिए केंद्रीय योजना (आरटीएसएस) के अगले चरण में शामिल करने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने आवासन दिया कि इस मामले को उचित तरीके से उठाया जायेगा। बिजली आवंटन के बारे में उन्होंने कहा कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा दिया गया एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के विद्युत ढांचागत मजबूती और ऊर्जा मंत्र में सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अंतर्राज्यीय सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग एक घंटे तक चला, जिसके दौरान उन्होंने ओडिशा की शिक्षा, कला और संस्कृति के साथ-साथ कार्यक्रम के बाद 31 मार्च के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लिया जायेगा। उन्होंने एक विशेष बैठक के दौरान उन्होंने एक घंटा के लिए केंद्रीय योजना (आरटीएसएस) के अगले चरण में शामिल करने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने आवासन दिया कि इस मामले को उचित तरीके से उठाया जायेगा। बिजली आवंटन के बारे में उन्होंने कहा कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा दिया गया एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के विद्युत ढांचागत मजबूती और ऊर्जा मंत्र में सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अंतर्राज्यीय सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग एक घंटे तक चला, जिसके दौरान उन्होंने ओडिशा की शिक्षा, कला और संस्कृति के साथ-साथ कार्यक्रम के बाद 31 मार्च के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लिया जायेगा। उन्होंने एक विशेष बैठक के दौरान उन्होंने एक घंटा के लिए केंद्रीय योजना (आरटीएसएस) के अगले चरण में शामिल करने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने आवासन दिया कि इस मामले को उचित तरीके से उठाया जायेगा। बिजली आवंटन के बारे में उन्होंने कहा कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा दिया गया एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के विद्युत ढांचागत मजबूती और ऊर्जा मंत्र में सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अंतर्राज्यीय सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग एक घंटे तक चला, जिसके दौरान उन्होंने ओडिशा की शिक्षा, कला और संस्कृति के साथ-साथ कार्यक्रम के बाद 31 मार्च के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लिया जायेगा। उन्होंने एक विशेष बैठक के दौरान उन्होंने एक घंटा के लिए केंद्रीय योजना (आरटीएसएस) के अगले चरण में शामिल करने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने आवासन दिया कि इस मामले को उचित तरीके से उठाया जायेगा। बिजली आवंटन के बारे में उन्होंने कहा कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा दिया गया एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के विद्युत ढांचागत मजबूती और ऊर्जा मंत्र में सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अंतर्राज्यीय सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग एक घंटे तक चला, जिसके दौरान उन्होंने ओडिशा की शिक्षा, कला और संस्कृति के साथ-साथ कार्यक्रम के बाद 31 मार्च के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा लिया जायेगा। उन्होंने एक विशेष बैठक के दौरान उन्होंने एक घंटा के लिए केंद्रीय योजना (आरटीएसएस) के अगले चरण में शामिल करने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने आवासन दिया कि इस मामले को उचित तरीके से उठाया जायेगा। बिजली आवंटन के बारे में उन्होंने कहा कि ओडिशा को पर्यालीय आइएसल की तालाबीरा थर्मल पावर परियोजना के द्वारा चरण से विजली मंत्रालय के द्वारा दिया गया एनजी कार्डिओ स्थापित करने के अनुरूप पर्याप्त बिजली मिलेगी। यह बताया ओडिशा के विद्युत ढांचागत मजबूती और ऊर्जा मंत्र में सतत विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक अंतर्राज्यीय सामंत के साथ एक विशेष इंटर्विव्यू सत्र में भी थाम लिया। सत्र लगभग ए